सत्यब्रत साहु, आई.ए.एस.
संयुक्त सचिव
मंत्रालय

भारत सरकार
पेयजल एवं स्वच्छता

विषय **"कम आय वाले राज्यों के लिए ग्रामीण जल आपूर्ति एवं स्वच्छता परियोजना (नीर निर्मल परियोजना) के लिए मॉनीटरिंग एवं मूल्यांकन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला" में भाग लेने हेतु आमंत्रण।**

प्रिय

भारत सरकार द्वारा विश्व बैंक की सहायता से असम, बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश राज्यों में एक ग्रामीण जल आपूर्ति एवं स्वच्छता परियोजना कार्यान्वित की जा रही है। इस परियोजना की मुख्य विशिष्टता एक रोबस्ट मॉनीटरिंग एवं मूल्यांकन (एमएंडई)तंत्र के माध्यम से सेवा डिलीवरी, पारदर्शिता और अच्छा शासन पर फोकस करना है।

2. पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय द्वारा विश्च बैंक के सहयोग से दिनांक 25 मार्च, 2015 को एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

3. माननीय पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री, भारत सरकार ने इस कार्यशाला का उदघाटन करने और एमएंडई प्रणाली, जिसे विश्व बैंक की सहायता से परियोजना के लिए हाल ही में विकसित किया गया है, शुरू करने के लिए अपनी सहमति दे दी है।

4. इस कार्यशाला से अंतर्राष्ट्रीय रूप से अपनाई गई एमएंडई प्रणालियों तथा भारत में अन्य ग्रामीण जल एवं स्वच्छता परियोजनाओं से अनुभव और जानकारियाँ प्राप्त होंगी जो भाग लेने वालों के लिए अत्यधिक लाभदायक होंगी।

5. हम इस कार्यशाला में आपके भाग लेने की आशा करते हैं। कृपया अपने भाग लेने की पुष्टि सुश्री उर्वशी प्रसाद अस्थाना (9560319317/urvashi.asthana@gov.in) अथवा सुश्री सुनीता सिंह, विश्व बैंक 9818244878 (ssingh4@worldbank.org)/सुश्री हेरियट पीटर्स (hpeters1@worldbank.org दूरभाष:011-49247659/011-41479403/09818244878)।

6. हम प्रत्येक राज्य से 2 व्यक्तियों को भाग लेने हेतु भेजने का अनुरोध करते हैं जिनमें से एक अधिकारी राज्य में मॉनीटरिंग और मूल्यांकन प्रणालियों के लिए जिम्मेदार होना चाहिए। कृपया अपने भाग लेने की पुष्टि अधिकतम दिनांक 07-03-2015 तक सुश्री उर्वशी प्रसाद अस्थाना और सुश्री सुनीता सिंह विश्व बैंक 9818244878 (ssingh4@worldbank.org) को करें। कृपया नोट करें कि यात्रा और आवास के प्रबंध राज्यों द्वारा करने होंगे।

सादर,

आपका,

संलग्नक: कार्यशाला की मसौदा कार्यसूची

(सत्यब्रत साहु)

अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला
नीर निर्मल परियोजना (एनएनपी) के लिए मॉनीटरिंग एवं मूल्यांकन ढ़ाँचा
मार्च 25, 2015
अंतिम मसौदा कार्यसूची

<u>दिनांक और स्थान</u>

यह कार्यशाला दिनांक 25 मार्च, 2015 को नई दिल्ली में होटल ओबराय में होगी।

9.15-10.00	**<u>पंजीकरण</u>**
10.00-10.45	**<u>प्रथम सत्र: उदघाटन</u>** - स्वागत भाषण - श्री सत्यब्रत साहु, संयुक्त सचिव (जल), पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार - नीर निर्मल परियोजना के बारे में परिचय - डॉ. स्मिता मिश्रा, विश्व बैंक - मुख्य भाषण - सुश्री विजयलक्ष्मी जोशी, सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार - श्री ओन्नो रूहल, कंट्री निदेशक, विश्व बैंक, भारत द्वारा भाषण - नीर निर्मल परियोजना के लिए एम.एंड.ई. प्रणाली शुरू करना - माननीय पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री, भारत सरकार - धन्यवाद ज्ञापन - श्री राजेश कुमार, निदेशक-जल, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार
10.45-11.00	चाय अवकाश
11.00-12.00	**<u>द्वितीय सत्र: भारत के राज्यों से अनुभव</u>** - सत्र के अध्यक्ष द्वारा प्रारंभिक भाषण: श्री सत्यब्रत साहु, संयुक्त सचिव (जल), पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार - क्षेत्र सूचना प्रणाली के माध्यम से संस्थानीकरण: स्वजल उत्तराखंड के अनुभव - सुश्री सौजन्या, परियोजना निदेशक, स्वजल एसडब्ल्यूएपी (उत्तराखंड) - जलनिधि सूचना प्रबंधन प्रणालियों (जेआईएमएस) की ग्राउंडिंग: केरल के अनुभव - श्री प्रमोद के, एमएंडई उप निदेशक, केआरडब्ल्यूएसए और सूरज नांबियार, ओरीगमी प्रौद्योगिकियाँ
12.00-13.30	**<u>तृतीय सत्र: अंतर्राष्ट्रीय अनुभव-1</u>** - सत्र के अध्यक्ष का प्रारंभिक भाषण: श्री सरस्वती प्रसाद, संयुक्त सचिव (स्वच्छता), पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय - कार्य-निष्पादन माप ढ़ाँचा, उगांडा - श्री ईयान अरेबाहोना, प्रधान अभियंता, जल एवं पर्यावरण मंत्रालय (उगांडा) - वियतनाम में राष्ट्रीय लक्ष्य कार्यक्रम के लिए एमएंडई प्रणाली - ली थियु

	सन, ग्रामीण जल आपूर्ति एवं पर्यावरणीय स्वच्छता (एनसीईआरडब्ल्यूएएसएस) कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमएआरडी), वियतनाम सरकार के लिए राष्ट्रीय केंद्र के निदेशक
13.30-14.00	भोजन अवकाश
14.00-16.00	**<u>चौथा सत्र: नीर निर्मल परियोजना/आरडब्ल्यूएसएसपी-एलआईएस के लिए मॉनीटरिंग एवं मूल्यांकन</u>** - सत्र के अध्यक्ष द्वारा प्रारंभिक भाषण: निदेशक (एसबीएम-जी), पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार - नीर निर्मल परियोजना के लिए एमएंडई प्रणाली का परिचय - श्री पी.के. कुरियन, एम.एंड.ई. परामर्शदाता, विश्व बैंक - एम.एंड.ई. प्रणाली (सॉफ्टवेयर) किस प्रकार कार्य करती है - मोबाइलपीडिया - एम.एंड.ई. प्रणाली और एम.एंड.ई. ढ़ाँचे के बारे में अनुभव बाँटना - उत्तर प्रदेश और झारखंड द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत - एमएंडई ढ़ाँचे को आईएमआईएस के साथ एकीकृत करना - सुश्री सीमांतनी सेनगुप्ता, वरिष्ठ तकनीकी निदेशक, एनआईसी **<u>तीसरा सत्र जारी: अंतर्राष्ट्रीय अनुभव-2</u>** - स्थायी माप ढ़ाँचा - ग्रामीण जल और स्वच्छता (एसआईएएसएआर) के लिए क्षेत्रीय सूचना प्रणाली - केंद्रीय अमेरिका - श्री एनटोनियो मैन्युअल रोडरिग्ज सेरानो, विश्व बैंक - जल, स्वच्छता और ठोस अपशिष्ट (एसएनआईएस) पर राष्ट्रीय सूचना प्रणाली ब्राजील - थाडेयू आबिकालिल (विश्व बैंक)/श्रीमती लोसियानी सेनटोनी और श्री सरजियो ब्रासिल एबरियु, शहर मंत्रालय, ब्राजील संघ सरकार
16.00-16.15	चाय अवकाश
16.15-17.00	**समापन सत्र** - सत्र के अध्यक्ष द्वारा प्रारंभिक भाषण: श्री अरूण सिंघल, प्रधान सचिव, ग्रामीण विकास, उत्तर प्रदेश सरकार - चार परियोजना राज्यों के प्रधान सचिवों के साथ सामूहिक पैनल चर्चा - मुख्य चुनौतियों क्षमताओं और प्रणालियों पर पारस्परिक चर्चा: राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अच्छी प्रथाओं से सीख लेना - अनुवर्ती कार्रवाई के लिए सिफारिशें: संयुक्त सचिव (जल) और संयुक्त सचिव (स्वच्छता) - धन्यवाद ज्ञापन: डॉ. स्मिता मिश्रा, अग्रणी जल एवं स्वच्छता विशेषज्ञ, विश्व बैंक